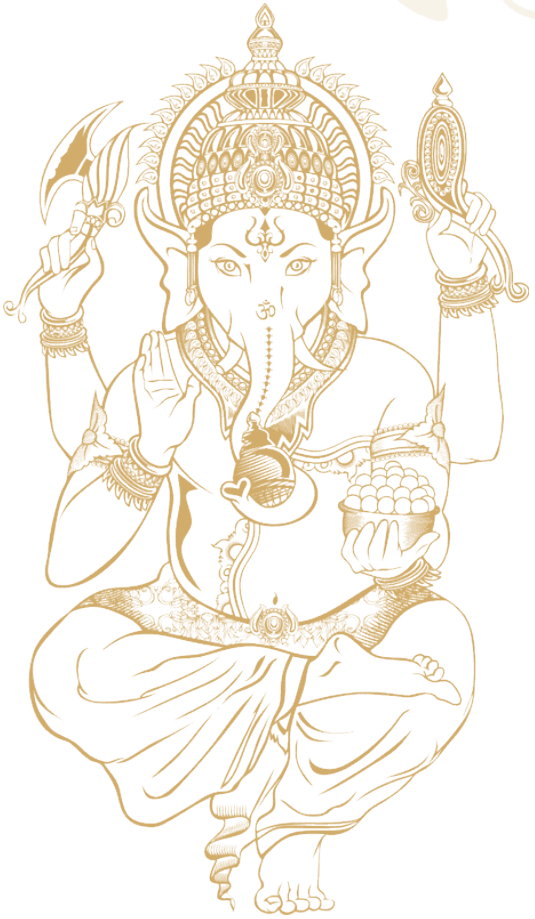

Anita Bhatt

27 May 1986

04:05 AM

Ranikhet

Model: web-freekundliweb

Order No: 120857902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26-27/05/1986**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:05:00 घंटे**
इष्ट	57:05:48 घटी
स्थान	**Ranikhet**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:39:00 उत्तर
रेखांश	79:25:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:12:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:52:40 घंटे
वेलान्तर	00:03:04 घंटे
साम्पातिक काल	20:09:28 घंटे
सूर्योदय	05:14:40 घंटे
सूर्यास्त	19:04:16 घंटे
दिनमान	13:49:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	11:42:13 वृष
लग्न के अंश	20:38:17 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुक्ल
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	20:38:17	445:38:59	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			वृष	11:42:13	00:57:35	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	25:11:03	14:41:38	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			धनु	28:25:10	00:09:13	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
बुध		अ	वृष	16:28:59	02:10:41	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
गुरु			कुंभ	25:51:54	00:08:03	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
शुक्र			मिथु	12:46:16	01:11:48	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
शनि	व		वृश्चि	12:49:44	00:04:28	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	05:47:39	00:04:28	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	05:47:39	00:04:28	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
हर्ष	व		वृश्चि	27:20:50	00:02:20	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
नेप	व		धनु	11:32:26	00:01:21	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	11:29:57	00:01:24	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			मक	06:30:34	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:53

लग्न-चलित

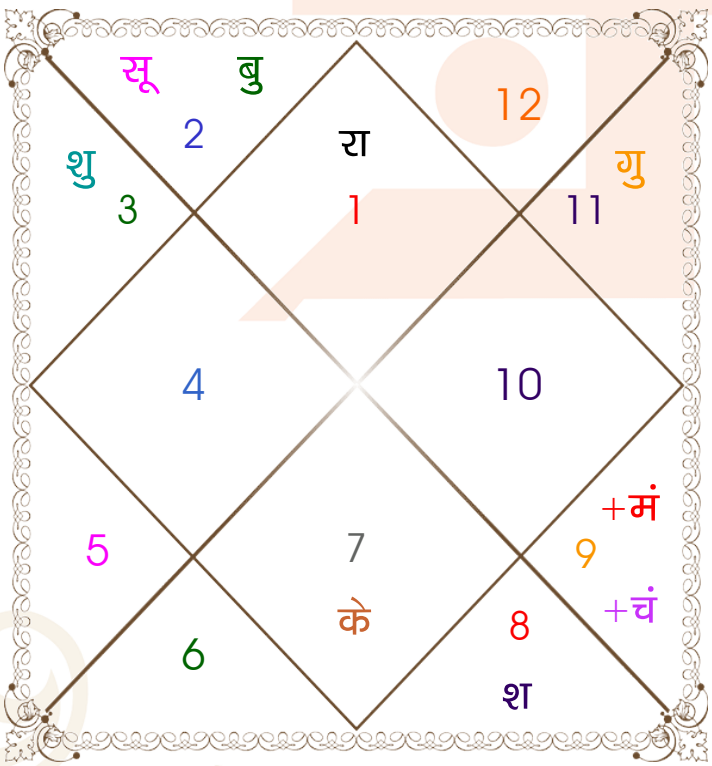

चन्द्र कुंडली

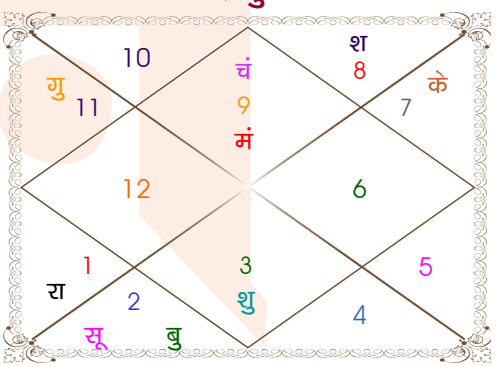

नवमांश कुंडली

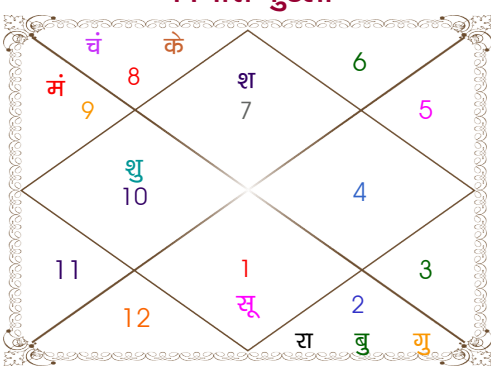

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 2 वर्ष 2 मास 20 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
27/05/1986		16/08/1988		16/08/1994		16/08/2004		17/08/2011	
16/08/1988		16/08/1994		16/08/2004		17/08/2011		16/08/2029	
	00/00/0000	सूर्य	03/12/1988	चंद्र	17/06/1995	मंगल	12/01/2005	राहु	29/04/2014
	00/00/0000	चंद्र	04/06/1989	मंगल	16/01/1996	राहु	31/01/2006	गुरु	21/09/2016
	00/00/0000	मंगल	10/10/1989	राहु	17/07/1997	गुरु	06/01/2007	शनि	29/07/2019
	00/00/0000	राहु	04/09/1990	गुरु	16/11/1998	शनि	15/02/2008	बुध	15/02/2022
	00/00/0000	गुरु	23/06/1991	शनि	16/06/2000	बुध	11/02/2009	केतु	05/03/2023
	00/00/0000	शनि	04/06/1992	बुध	15/11/2001	केतु	11/07/2009	शुक्र	05/03/2026
	27/05/1986	बुध	10/04/1993	केतु	17/06/2002	शुक्र	10/09/2010	सूर्य	28/01/2027
बुध	17/06/1987	केतु	16/08/1993	शुक्र	15/02/2004	सूर्य	16/01/2011	चंद्र	29/07/2028
केतु	16/08/1988	शुक्र	16/08/1994	सूर्य	16/08/2004	चंद्र	17/08/2011	मंगल	16/08/2029

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
16/08/2029		16/08/2045		16/08/2064		16/08/2081		16/08/2088	
16/08/2045		16/08/2064		16/08/2081		16/08/2088		00/00/0000	
गुरु	04/10/2031	शनि	19/08/2048	बुध	13/01/2067	केतु	12/01/2082	शुक्र	16/12/2091
शनि	17/04/2034	बुध	29/04/2051	केतु	10/01/2068	शुक्र	14/03/2083	सूर्य	16/12/2092
बुध	23/07/2036	केतु	07/06/2052	शुक्र	10/11/2070	सूर्य	20/07/2083	चंद्र	16/08/2094
केतु	28/06/2037	शुक्र	07/08/2055	सूर्य	16/09/2071	चंद्र	18/02/2084	मंगल	17/10/2095
शुक्र	27/02/2040	सूर्य	19/07/2056	चंद्र	15/02/2073	मंगल	16/07/2084	राहु	16/10/2098
सूर्य	16/12/2040	चंद्र	18/02/2058	मंगल	12/02/2074	राहु	04/08/2085	गुरु	17/06/2101
चंद्र	17/04/2042	मंगल	30/03/2059	राहु	31/08/2076	गुरु	11/07/2086	शनि	17/08/2104
मंगल	24/03/2043	राहु	03/02/2062	गुरु	07/12/2078	शनि	20/08/2087	बुध	28/05/2106
राहु	16/08/2045	गुरु	16/08/2064	शनि	16/08/2081	बुध	16/08/2088		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 2 वर्ष 2 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।